यह प्रश्न-पत्र एवं उत्तर पुस्तिका संयुक्त है।

जय गुरु नाना **जय महावीर** **जय गुरु राम**

श्री साधुमार्गी जैन धार्मिक परीक्षा बोर्ड, बीकानेर

समय : 3 घण्टे
12:30 से 3:30 बजे तक

जैन संस्कार पाठ्यक्रम परीक्षा-2019

प्रश्न-उत्तर पत्र भाग - 9

अंक 95+3-98

नाम..... पिता/पति का नाम.....

शहर का नाम..... जन्मतिथि..... मोबाइल..... रोल नं .....

नोट:-सभी प्रश्नों के उत्तर दिये गये निर्देशों के अनुसार, निर्धारित स्थान पर, इसी प्रश्न पत्र में लिखें। उत्तर पुस्तिका जाँचने पर यदि यह पुष्टि होती है कि परीक्षार्थी ने दूसरे का सहयोग लिया है अथवा एकाधिक पुस्तिकाओं के उत्तर समान हैं तो उसे नकल किया हुआ मानकर परिणाम निरस्त कर दिया जावेगा। केन्द्र अधीक्षक उपरोक्त प्रश्नोत्तर पुस्तिका परीक्षा समाप्ति के अगले दिन श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन संघ, समता भवन, आचार्य श्री नानेश मार्ग, नोखा रोड, गंगाशहर, बीकानेर-334401 (राज.) के पते पर भिजवावें।

पेपर 97 अंक एवं 3 अंक सामायिक के हैं। जैसे :- 3 सामायिक करने पर 3 अंक दिए जाएगे और 2 करने पर 2 अंक इसी क्रम में सामायिक न करने पर 3 अंक काटे जाएंगे।

1. समता संस्कार पाठशाला के विद्यार्थी हों तो ¼✓½ सही या ¼✗½ गलत करें। ¼ ½

2. आपने कितनी सामायिक की है 1,2,3 कॉलम में लिखें। ¼ ½

प्रश्न 1. नीचे लिखी गाथाओं को पूरा करें- 24

1. असंखयं ..... णत्थि ताणं।
..... गयिंति।।
2. तेणे जहा .....।
एवं पया .....।।
3. सुत्तेसु .....।
..... चरेऽप्पमत्तो।।
4. छंदं .....।
..... खिप्पमुवेइ मोक्खं।।
5. मुहुं मुहुं .....।
फासा फुसंती .....।।
6. ..... परञ्झा।

..... सरीर भेओ।।

7. एक एक .....।

..... पार रे प्राणी।।

8. क्रोध, मान .....।

..... मौका है उत्थान।।

9. जहाज .....।

पर उपकारी .....।।

10. जो मैतार्य .....।

इसी मंत्र .....।।

11. सुना पाँच .....।

..... सदानन्द शांतिः।।

12. मत भक्ति .....।

..... सुखद निर्वाण का।।

प्रश्न 2. नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए– **15**

1. पारिग्रहिकी क्रिया किसे कहते हैं?

.....।

2. नैसृष्टिकी क्रिया किसे कहते हैं?

.....।

3. मृषानुबन्धि रौद्रध्यान क्या हैं?

.....।

4. विपाक विचय धर्मध्यान क्या हैं?

.....।

5. अशरण भावना क्या हैं?

.....।

6. सेवार्त्तक संहनन में किस प्रकार की दृढ़ता होती हैं?

.....।

7. तपस्वी श्रमण निर्ग्रन्थ के कर्म शीघ्र क्यों नष्ट होते हैं?

.....।

8. विश्वामित्र ने राजा हरिशचन्द्र को क्या आज्ञा दी?

.....।

9. बुद्धदास ने जैन धर्म क्यों स्वीकार किया?

.....।

10. इन्द्रभूति गौतम, भगवान महावीर के सम्मुख किस भाव से आए थे?

.....।

11. गौतम को किस विषय में शंका थी?

.....।

12. असंख्येय किसे कहते हैं?

.....।

13. जम्बूस्वामी के निर्वाण के बाद कितने बोलों का विच्छेद हुआ, कोई 4 लिखो।

.....।

14. छठे आरे में कौन से जीव उत्पन्न होंगे?

.....।

15. आशातना किसे कहते हैं?

.....।

प्रश्न 3. नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर एक शब्द में दीजिए– **15**

1. 5 अनुत्तर विमान के देवों की अवगाहना कितनी हैं?
2. युगलीक मनुष्य में कितने संहनन व संस्थान होते हैं?
3. चौथी पृथ्वी के नैरयिक मे कौन सी लेश्या होती हैं?
4. केवली समुद्घात के कितने समय पश्चात् मोक्ष हो जाता हैं?
5. वीतराग वाणी में अखण्ड श्रद्धा रखने वाला कौन होता हैं?
6. सिद्ध भगवान में योग कितने होते हैं?
7. एक भव की माता अन्य भव में स्त्री, पुत्री बन जाती है यह क्या हैं?
8. आश्रवों से होने वाले दुष्परिणामों का चिंतन करना क्या हैं?

9. रोहित की मृत्यु कैसे हुई?

10. सुभद्रा को कौनसी पद्वी से विभूषित किया?

11. गौतम को भगवान महावीर का चेहरा कैसा दिखाई दे रहा था?

12. निः शस्त्र युद्ध किसने किया?

13. देव, युगल के मृतक शरीर का संस्कार कौन से समुंद्र मे करते हैं?

14. मध्य के 5 कुलकरों मे कौन सी दण्ड नीति चलती हैं?

15. साधु संतो को गुड मोर्निंग म. सा. की जगह क्या बोलना चाहिए?

प्रश्न 4. अंकों में उत्तर दीजिए– **10**

1. कितनी आवलिकाओं का एक मुर्हूत होता हैं?

2. तीसरे आरे के युगलीक अपने पुत्र व पुत्री का कितने दिन तक पालन करते हैं?

3. कितने बालाग्र की एक लीख होती हैं?

4. सोमिल ने अपने यज्ञ में कितने महादिग्गज पंण्डितों को बुलाया?

5. विश्वामित्र ने राजा हरिशचंद्र से कितनी स्वर्ण मुद्रांए मांगी?

6. धर्मध्यान के कितने भेद होते हैं?

7. सन्नी तिर्यंच पंचेन्द्रिय में कितने शरीर होते हैं?

8. तीन विकलेन्द्रिय मे कितने ज्ञान होते हैं?

9. युगलीक मनुष्य कितनी दिशाओं का आहार करते हैं?

10. आठवें देवलोक की जघन्य स्थिति कितनी हैं?

11. बेइन्द्रिय की स्थिति कितनी होती हैं?

12. वायुकाय की आगति के दण्ड़क कितने हैं?

प्रश्न 5. खाली स्थान भरिए– **10**

1. ..... ने उपकार के बदले अपकार किया।

2. पांचवे और मे धर्मात्मा, सुशील ..... स्वाभावी लोगों की कमी तथा ..... की वृद्धि होगी।

3. शिष्य ..... के आगे बैठे तो आशातना लगती है।

4. हमारे भाग्य जगे जो ..... के स्वरूप को समझने का अवसर मिला।

5. एक वचनश्री ..... केरो, जो पेंठे दिल मांय रे प्राणी।

6. ..... का बीज जलाकरं, जन्म मरण मिटा दिया।

7. मैं की अनुभूति ही ..... हैं।

8. अपर्याप्त जीव ..... नाम का बंध नहीं करता।

9. वनस्पति काया के जीव प्रतिसमय ..... चवते हैं।

10. मन, वचन, काया की प्रवृत्ति को ..... कहते हैं।

प्रश्न 6. नीचे लिखे शब्दों का मिनींग लिखिये- (कोई 11) **11**

1. वित्तेण-

2. सहारणं-

3. पहाय-

4. पमत्ते-

5. कडाण-

6. समिच्च-

7. समणं-

8. परज्झा-

9. विसीयइ-

10. परिसंकमाणो-

11. मोक्खं

12. लोय-

प्रश्न 7. नीचे लिखी गाथाओं का भावार्थ लिखो-(कोई 4) **10**

1. संसारमावण्ण परस्स अट्ठा, साहारणं जं च करेइ कम्मं।
   कम्मस्स ते तस्स 3 वेयकाले, ण बंधवा बंधवयं उवेंति।।

.....

.....

.....।

2. खिप्पं ण सक्केइ विवेकमेउं, तम्हा समुट्ठाय पहाय कामे।
   समिच्च लोयं समया महेसी, अप्पाण रक्खी चरमप्पमत्तो।।

.....

.....

.....।

3. मंदा य फासा बहुलोहणिज्जा, तहप्पगारेसु मणं ण कुज्जा।
   रक्खेज्ज कोहं विणएज्ज माणं, मायं ण सेवे, पयहेज्ज लोहं।।

.....

.....

.....।

4. जे पावकम्मेहि धणं मणुस्सा, समाययंति अमइं गहाय।
पहाय ते पासपयट्टिए णरे, वेराणुबद्धा णरयं उवेंति।।

.....

.....

.....।

5. चरे पयाइं परिसंकमाणो, जं किंचि पासं इह मण्णमाणो।
लाभंतरे जीविय बूहइत्ता, पच्छा परिण्णाय मलावधंसी।।

.....

.....

.....।